



JANUARY	FEBRUARY	MARCH	APRIL	MAY	JUNE
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30
JULY	AUGUST	SEPTEMBER	OCTOBER	NOVEMBER	DECEMBER
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

HOLIDAYS 2026 JANUARY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. FEBRUARY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th. MARCH - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. APRIL - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th. MAY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. JUNE - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th. JULY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. AUGUST - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. SEPTEMBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th. OCTOBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. NOVEMBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th. DECEMBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st.

AVAILABLE IN :

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Date)**

801



ॐ आरती श्री गणेश जी की ॥

लक्ष्मण महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः । निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वं कार्येषु सर्वदा ॥

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा । माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ॥ जय० ॥
 एकदन्त दयावन्त, चार भुजा धारी । मस्तक सिन्दूर सोहे, मूसे की सवारी ॥ जय० ॥
 पान चढ़े, फूल चढ़े और चढ़े मेवा । लड्डुअन का भोग लगे, सन्त करें सेवा ॥ जय० ॥
 अन्धन को आँख देत, कोढ़िन को काया । बौझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ॥ जय० ॥
 सूरश्याम शरण आये सुफल कीजे सेवा । दीनन की लाजराखो शम्भु-सुत वारी ॥ जय० ॥
 कामना को पूरा करो जग बलिहारी । जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा ॥ जय० ॥

AVAILABLE IN :

802

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
 (Aarti)**



श्री लक्ष्मी वन्दना

आरती श्री लक्ष्मी जी की

महालक्ष्मि नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं सुरेश्वरि ।
हरिषिये नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं दयानिधे ॥
नमस्तोऽस्तु महाभावे बापीरं सुनयनिते ।
संश्रमलगावाहरे महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥
नमस्ते गलज्जालके लोलासुरभयंकरि ।
सर्व पापहरे देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥
सर्वत्र सर्ववरे सर्वदुष्ट सर्वहरि ।
सर्ववृत्तहरे देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥
सिद्धिमुक्तिप्रदे देवि भवितुमुक्तिप्रदायिनि ।
पद्मपूजे राधा देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥

ओम् नम लक्ष्मी माता, मेवा नम लक्ष्मी माता । तुमको निरदिन सेवक, हर दिनु बिनाक ॥ ओम् ॥
रमा, रमा, ब्रह्मणी, तुम ही जन पाता । सूर्य बन्धन खानद, नारद कपि पाता ॥ ओम् ॥
दुर्गा कय निरंजनि, मुख-मयि-जाता । जो कोई तुमको भजता, अहि-निहि बन पाता ॥ ओम् ॥
तुम पाताल-निवाशिनि, तुम ही शुभ दाता । कर्म-प्राप्त प्रदाशिनि, भविषि की जाता ॥ ओम् ॥
जिस घर में तुम रहती, ताई खन सतुंग जाता । खन सभय हो जाता, मन नहीं प्यताक ॥ ओम् ॥
तुम बिन यज्ञ न होते, यज्ञ न कोई पाता । खान-पान का वेनव, सब दुष्टों जाता ॥ ओम् ॥
शुभ-दुष्ट-मन्दिर सुन्दर, श्रीरंजनि-जाता । खन गदुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता ॥ ओम् ॥
महालक्ष्मी जी ली जायती, जो कोई जन पाता । खन जानद बनाता, पाप खतर जाता ॥ ओम् ॥
जहाँ तक वरग ले पहुँचे, वर शुभ हो जाता । मैं सेवक बंध की शुभ दुष्टि चाहता ॥ ओम् ॥

AVAILABLE IN :

804

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Aarti)**



श्री लक्ष्मी वन्दना

आरती श्री लक्ष्मी जी की

महालक्ष्मी नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं सुरेश्वरि ।
 हरिषिमे नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमोऽस्मि ॥
 नमस्तेऽस्तु मातामाये श्रीदीर्घे सुरप्रसिद्धे ।
 ललायकगणदायके महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥
 नमस्ते नमस्तारुणे कीर्त्तनामुरमयशरि ।
 सर्व पापहरे दीर्घे महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥
 सर्वार्थे सर्ववशदे सर्वदुष्ट भयंकरि ।
 सर्वदुःखहरे देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥
 विविदेवुष्टिप्रदे देवि अक्षयप्रतिष्ठाप्रदायिनि ।
 महापूजे पात्रा देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥

ओम् नमो लक्ष्मी माता, मेधा नमो लक्ष्मी माता । तुमलो निरंजने देवता, हर विष्णु विद्याता ॥ ओम् ॥
 उमा, रमा, ब्रह्मणी, तुम ही जन-माता । सूर्य-चन्दना व्याकर, नारद ऋषि माता ॥ ओम् ॥
 दुर्गा रम्य निरंजनि, सुख-चर्यावि-माता । जो कोई तुमको ध्याता, अष्टि-सिद्धि पान चता ॥ ओम् ॥
 तुम पाताल-नियन्त्रिनि, तुम ही शुभ दाता । कर्म-प्रभाव प्रकाशिनि, भवनिधि जी ज्ञाता ॥ ओम् ॥
 जिस घर में तुम रहती, तदै रम्य मदतुण आता । सब सभ्य हो जाता, मन नहीं धरता ॥ ओम् ॥
 तुम बिन पक्ष न होने, कल न कोई पाता । ज्ञान-मान का वेधन, सब दुःखों आता ॥ ओम् ॥
 तुम-तुम-मन्दिर सुन्दर, दीर्घोदधि-जाता । रत्न बहुदल तुम बिन, कोई नहीं चता ॥ ओम् ॥
 महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई पान पाता । घर आनन्द घनाता, पात कल चता ॥ ओम् ॥
 पक्षों तक वरन तेरे पूर्ण, मन तुम हो जाता । मैं लेखक मैं ही तुम दृष्टि चता ॥ ओम् ॥

AVAILABLE IN :

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
 (Aarti)**

805



आरती की अम्मा जी की

जय आम्हे गोरी, गंगा जय श्यामा गोरी ।	तुमको विशिखिन व्यावत, इरि तह्या शिखरी ।	॥ जय आम्हे ॥
गोंग शिखूर निराजत, दीको गुणमय को ।	छप्पनल रो कोप गंगा, नम्र गमन नीको ।	॥ जय आम्हे ॥
कनक समान कलेवर रक्ताम्बर राजे ।	रक्त पुष्प गज माला, कम्पन पर साजे ।	॥ जय आम्हे ॥
केशरि बाहन राजत, खड्ग खम्बर चाडी ।	सुर नर मुनि जग रोयत, तिनको दुख हारी ।	॥ जय आम्हे ॥
कानन कुण्डल शोभित, नाराजो मोली ।	कोटिक नम्र विनाकर, राजत राम ज्योति ।	॥ जय आम्हे ॥
सुग्न विशुग्न गिहारे, महिषासुर भाडी ।	सुग्नविशोचन पैना विशिखिन गनमाडी ।	॥ जय आम्हे ॥
मण्ड - सुण्ड सेजरे, शोभित बीज तरे ।	मनु कोटम कोट भारे, सुरभयरीन करे ।	॥ जय आम्हे ॥
ब्रह्मणी रुद्राणी, तुम कमला रानी ।	आगम-निगम-बखानी, तुम शिव पहरानी ।	॥ जय आम्हे ॥
वीरसु योगिनि मंगल गोपत, नृत्य करत बेरी ।	बाजात ताल मुदंगा, और बाजात कमर ।	॥ जय आम्हे ॥
तुम ही जग की माता, तुम ही हो भरता ।	मखन की दुख हरता, सुख-सम्पत्ति करता ।	॥ जय आम्हे ॥
भुजा भार अलि शोभित, नर मुठा चाडी ।	मनमोहित फल पावत, रोयत नर नारी ।	॥ जय आम्हे ॥
कसन खाल निराजत, अगर कपूर भाडी ।	श्री मालकेतु मे राजत, कोटि रत्न ज्योति ।	॥ जय आम्हे ॥
मौ आम्हे जी की आरती, जो कोई नर पावे ।	कहत शिवानन्द रवाणी, सुख सम्पत्ति पावे ।	॥ जय आम्हे ॥

AVAILABLE IN :

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Aarti)**

807



JANUARY	FEBRUARY	MARCH	APRIL	MAY	JUNE
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30
JULY	AUGUST	SEPTEMBER	OCTOBER	NOVEMBER	DECEMBER
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

HOLIDAYS 2026 JANUARY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. FEBRUARY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th. MARCH - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. APRIL - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th. MAY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. JUNE - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th. JULY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. AUGUST - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. SEPTEMBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th. OCTOBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. NOVEMBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th. DECEMBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st.

AVAILABLE IN :

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Date)**

808



महामृत्युञ्जय मंत्र

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिं वर्धनम् ।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥

भावार्थ : हम वायव्य शक्ति की पूजा करते हैं, जिनके तीन नेत्र हैं, जो प्रत्येक स्वप्न में जीवन शक्ति का स्वरूप करते हैं, जो सम्पूर्ण जगत् का पालन प्रेषण अपनी शक्ति से कर रहे हैं। उनसे हमारी प्रार्थना है कि वे हमें मृत्यु के बन्धनों से मुक्त कर दें, जिससे मोक्ष की प्राप्ति हो जाए, जिस प्रकार एक कच्ची बेल में एक जामे के बाद उस बेल रुकी संसार के बन्धन से मुक्त हो जाती है वही प्रकार इस भी इस संसार रुकी बेल में एक जामे के बाद जन्म-मृत्यु के बन्धनों से सदैव की लिए मुक्त हो जाए और अपनी वरणा की सम्पत्तियों का पान करने हुए स्वर्ग की यात्रा कर आप में लीन हो जाए।

मन्त्र लाभ : ✦ यह मंत्र जीवन प्रदान करता है। (अकाल, दुःख, दुर्घटना इत्यादि) ✦ यह मंत्र वर्षा एवं मिथुन के कहने पर भी वर्षा प्रदान करता है।
✦ इस मंत्र का मातृपूरी तब है कठिन एवं असाध्य रोगों पर प्रभाव प्राप्त करना। ✦ यह मन्त्र रोगी की मर्त्य की बचत करता है।

AVAILABLE IN :

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Mahamrityunjaya Mantra)**

809



महामृत्युञ्जय मंत्र

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टि वर्धनम् ।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥

भावार्थ : हम मायात्मक शरीर को पूजा करते हैं, जिनके तीन नेत्र हैं, जो प्रत्येक स्वप्न में जीवन शक्ति का संचार करते हैं, जो वायुमय जगत् का पालन प्रेषण अपनी शक्ति से कर रहे हैं। हमने तमारी प्रार्थना है कि वे हमें मृत्यु के बन्धनों से मुक्त कर दें, जिससे मोक्ष की प्राप्ति हो जाए, जिस प्रकार एक कच्ची बेल में एक जाने के बाद उस बेल रुखी संसार के बन्धन से मुक्त हो जाती है उसी प्रकार हम भी इस संसार रुखी बेल में एक जाने के बाद जन्म-मृत्यु के बन्धनों से सदैव की लिए मुक्त हो जाएँ और अपनी वर्णों की अमृतवाला का पात्र बनने हुए स्वर्ग की यात्रा कर स्वर्ग में तीन हो जाएँ।

मन्त्र शक्ति : ✦ यह मंत्र जीवन प्रदान करता है। (अमरत्व, सुख, दुर्घटना इत्यादि) ✦ यह मंत्र चर्पे एवं निष्ठुर के कटने पर भी शत्रुनाश पुत्र प्रदान करता है। ✦ इस मंत्र का मातृपूज्य तब ही फलित एवं अमरत्व देगा पर नियम प्राप्ति करना। ✦ यह मन्त्र रोगी की रोग नाश का बहुत शक्ति है।



AVAILABLE IN :

810

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Mahamrityunjaya Mantra)**

जय
श्रीराम



JANUARY	FEBRUARY	MARCH	APRIL	MAY	JUNE
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30
JULY	AUGUST	SEPTEMBER	OCTOBER	NOVEMBER	DECEMBER
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

HOLIDAYS
2026

JANUARY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st
FEBRUARY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th
MARCH - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st
APRIL - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th
MAY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st
JUNE - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th
JULY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st
AUGUST - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st
SEPTEMBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th
OCTOBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st
NOVEMBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th
DECEMBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st

AVAILABLE IN :

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Date)**

811

[illegible]

॥ लोकाः परमात्मनोऽग्रहणं कुर्वन्, अग्रहणं कुर्वन् ॥ लोकाः परमात्मनोऽग्रहणं कुर्वन्, अग्रहणं कुर्वन् ॥

812

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Hanuman Chalisa)**



☉ JANUARY ☾	☉ FEBRUARY ☾	☉ MARCH ☾	☉ APRIL ☾	☉ MAY ☾	☉ JUNE ☾
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30
☉ JULY ☾	☉ AUGUST ☾	☉ SEPTEMBER ☾	☉ OCTOBER ☾	☉ NOVEMBER ☾	☉ DECEMBER ☾
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

HOLIDAYS 2026 JANUARY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. FEBRUARY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th. MARCH - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. APRIL - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th. MAY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. JUNE - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th. JULY - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. AUGUST - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. SEPTEMBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th. OCTOBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st. NOVEMBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th. DECEMBER - 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th, 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, 13th, 14th, 15th, 16th, 17th, 18th, 19th, 20th, 21st, 22nd, 23rd, 24th, 25th, 26th, 27th, 28th, 29th, 30th, 31st.

AVAILABLE IN :

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Date)**

813



आरती श्री राम लला की

आरती कीजें श्रीराम लला की। पूज निपुण अनुवेद कला की॥ धनुष गान कर सोहा नीले। शोभा कोटि मदन नद पीले॥
 सुमग सिंहासन आप बिचारज। काम भाग वैदेही राजें॥ कर जोरे विपुहन हनुमान। भरत लखन सेवत बिंदि नाना॥
 शिव अछ नारद गुन गान पावै। निगम नेति कह पार न पावै॥ नाम प्रभाव सकल जग जानै। शेष महेश गणेश बघावै॥
 भगत कामतार पूरणकाम। दया अना करुना गुन भामा॥ सुमीयहु को कपिपति कीन्ह। राज विभीषन को प्रभु दीन्ह॥
 खेल खेल महु सिंधु बघावै। लोक सकल अनुपम चरा छावै॥ दुर्गम गढ लंका पाति भारे। सुर नर मुनि सबको भय टारे॥
 देवन धावि सुजस बिस्तारे। कोटिक दीन भलीन उभारे॥ कवि केवट राग निमग्न करे। करि करुना दुःख दोष निवारे॥
 देत सदा दासन्ह को माना। जगत पूज मे कवि हनुमान॥ आरति दीन सदा सत्कारे। सिद्धपुर होत राम जयकारे॥
 कोसल्यादि सकल महतारी। दशरथ आदि भगत प्रभु शरी॥ सुर नर मुनि प्रभु गुन नग गाई। आरति करत बहुत सुख पाई॥
 पूज दीप चन्दन गैवेद। मन दुद करि नहि कथनव मेदा॥ राम लला की आरती गावै। राम कृपा अमित फल पावै॥

AVAILABLE IN :

814

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Aarti)**



आरती श्री रामचन्द्र जी की

श्रीरामचन्द्र रघुपुङ्गव राजवर्य राजेन्द्र राम रघुनाथक राक्षवेश । राजाक्षिराज रघुचन्द्र रामचन्द्र चासोऽष्टमद्य भवतः शरणागतोऽस्मि ॥ १ ॥
 श्री रामचन्द्र गुणालु भजु मन, हरण भय भय दारुणम् । नयकञ्ज लोचन, कञ्ज-मुख कर-कञ्ज पद-कञ्जारुणम् ॥ २ ॥
 कन्दर्प अगणित जमित छवि, नवनील-नीरद-सुन्दरम् । पटपीत मानहु तडित शशि सुचि गोमी जनक सुता-वरम् ॥ ३ ॥
 भजु दीनबन्धु दिनेश दानव - दैत्यवंश - निकन्दनम् । रघुनन्द आनन्दकन्द जोशालचर्य दशरथ - वन्दनम् ॥ ४ ॥
 शिर मुकुट कुण्डल तिलक चारु उदार अंग विभूषणम् । आजानु भुजा शर-चापधर रांशाम - जित - स्वर - दूषणम् ॥ ५ ॥
 इति पवति तुलसीदास शंकर शेष पुनि गन - रंजनम् । गग इन्दय कंज निवास कुरु काणादि खल दल गंजनम् ॥ ६ ॥
 मन जाडि राख्यो मिलहि सो घर सहज सुन्दर सांवरौ । करुणा निधान सुजान शील स्नेह जानत रावरो ॥ ७ ॥
 एहि भाति असीस सुनी सिय सहित हिय हरषित अलौ । तुलसी भवनिहि पूजि पुनि पुनि मुदित मन मन्दिर पलौ ॥ ८ ॥

सोरठा जानि गोरी अनुकूल सिय हिय हरषु न जाई कहि । मंजुल मंगल मूल नाम अंग फरकन लगे ॥

AVAILABLE IN :

816

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Aarti)**



अयोध्या में सजा राम दरबार

राम जन्म सुमि, अयोध्या

आरती श्री रामचन्द्र जी की

श्रीरामचन्द्र रघुपुत्र राजावत राजेन्द्र राम रघुनाथक रामवेश । राजाधिराज रघुन्दन रामचन्द्र दासोऽहमहा भक्तः शरणागतोऽस्मि ॥
 श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन हरण भव मग दारुणम् । नयकंज लोचन, कंज-मुख कर-कंज पद-कंजारुणम् ॥ १ ॥
 कन्दर्प अगणित अमित छवि, नयनील नीरद सुन्दरम् । पद्मीत मानहु तद्विह सखि सुखि नानी जनक सुता-वरम् ॥ २ ॥
 गजु दीनबन्धु दिनेश दानव वैद्यवंश निकन्दनम् । रघुनंद आनंदकांद कौशलचण्ड वशरथ नन्दनम् ॥ ३ ॥
 शिर मुकुट कुण्डल तिलक चारु उदार अंग विभूषणम् । आजानु भुजा शर-चाप-धर रांग्राम-जित-रथर-दूषणम् ॥ ४ ॥
 इति वदति तुलसीदास शंकर-शेष-मुनि-मन-रत्नम् । मम हृदय कंज निवास कुरु कामादि-खल-दल-गजनम् ॥ ५ ॥
 मन जाहि राख्यो मिलहि सो वर सहज सुन्दर सांवरो । करुणा निवान सुजान शील स्नेह जानत रावरो ॥ ६ ॥
 एहि मांति असीस सुमी सिय सहित हिय हरषित अली । तुलसी भवनिहि पूजि पुनि पुनि मुदित मन मन्दिर छली ॥ ७ ॥

ॐ सोरठा-जानि गोरी लज्जुकूल सिय सिय हरषु न जाई करि । भंजुल भंगल मूल वाम अंग फेरकन लगे ॥ ॐ

AVAILABLE IN :

817

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Aarti)**



ॐ आश्री जय जगदीश हरे ॐ

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे, राक्षस जनों के राक्षस, शत्रु में बुर करे ॥ ३३ ॥
 जो श्वादे बल पावे, दुःख विन से मन का ॥ प्रभु ॥ सुख-सम्पत्ति घर आवे, कष्ट मिटे मन का ॥ ३४ ॥
 माता-पिता तुम मेरे, शरण राहूँ मैं किसकी ॥ प्रभु ॥ तुन विन और न मूला, आस करूँ किसकी ॥ ३५ ॥
 तुम पूरण परमात्मा, तुम अन्तर्दामी ॥ प्रभु ॥ पारब्रह्म परमेश्वर, तुम सबके स्वामी ॥ ३६ ॥
 तुम करुणा के सागर, तुम पालन कर्ता ॥ प्रभु ॥ मैं मूर्ख बाल कासी, दुपा करो भर्ता ॥ ३७ ॥
 तुम हो एक अमोक्ष, सबके प्राणपति ॥ प्रभु ॥ किस निशि मिलूँ परामर्श, तुमजो मैं कूमति ॥ ३८ ॥
 दीन बन्धु दुःख हरता, तुम श्वाक मेरे ॥ प्रभु ॥ अपने हाथ सदाखी, तार पला तेरे ॥ ३९ ॥
 विषय विकार मिटाओ, पाप हरी देवा ॥ प्रभु ॥ शब्दा राक्षस ब्रह्माक्षी, सन्तान की देवा ॥ ४० ॥
 मन मन, मन राख कुतू है मेरा ॥ प्रभु ॥ मेरा मुझको अर्पण, क्या लगे देवा ॥ ४१ ॥

AVAILABLE IN :

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Aarti)**

819



ॐ आश्वी जय जगदीश हरे ॐ

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे, शक्ति जनों के सकल, शयन में बुर करे ॥ ३३ ॥
 जो श्वादे कल पावे, दुःख विन से मन का ॥ प्रभु ॥ सुख-सम्पत्ति घर आवे, कष्ट मिटे मन का ॥ ३४ ॥
 माता-पिता तुम मेरे, शरण राहुँ मैं किसकी ॥ प्रभु ॥ तुम विन और न चूना, आस करौं किसकी ॥ ३५ ॥
 तुम पूरण परमात्मा, तुम अन्तर्दामी ॥ प्रभु ॥ पारब्रह्म परमेश्वर, तुम सबके स्वामी ॥ ३६ ॥
 तुम करुणा के सागर, तुम पालन कर्ता ॥ प्रभु ॥ मैं मूर्ख बाल कासी, कृपा करो भर्ता ॥ ३७ ॥
 तुम हो एक अमोघ, सबके प्राणपति ॥ प्रभु ॥ किस विधि मिले परामय, तुमजो मैं नमति ॥ ३८ ॥
 दीन बन्धु दुख हरता, तुम शक्ति मेरे ॥ प्रभु ॥ अपने हाथ सदाश्री, द्वार पला तरे ॥ ३९ ॥
 विश्व विकार मिटाओ, पाप हरी देवा ॥ प्रभु ॥ सब शक्ति ब्रह्मा, सत्तान की देवा ॥ ४० ॥
 मन मन, मन सब कुण्ड है मेरा ॥ प्रभु ॥ मेरा तुझको अर्पण, क्या लगे देवा ॥ ४१ ॥

AVAILABLE IN :

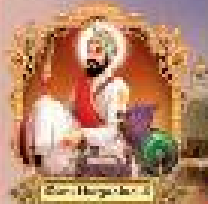
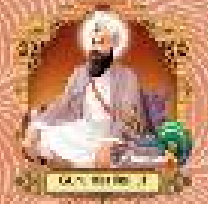
820

**20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Aarti)**



ੴ

ੴ



ਜਪੁਜੀ ਮਾਹਿਤ

ੴ ਜਪੁਜੀ ਸਤਿਨਾਮੁ ਪਰਮਾ ਪੁਰਖੁ ਨਿਰਭਉ ਨਿਰਵੈਰੁ ਅਕਾਲ ਮੂਰਤਿ ਅਜੂਨੀ ਸੈਭੰ ਪ੍ਰਾਨ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ॥ ੧ ॥

ਕਹਿਣ ਸਭੁ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਸਭੁ ਕੁਛੁ ਕੀਯੋ ਭਯੋ ਨਾ ਭਯੋ ॥ ੨ ॥ ਸਭੇ ਸੋਚਿ ਤੇ ਪਰਥਮੀ ਜੇ ਸੋਚੀ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੩ ॥ ਭੁਧੁ ਤੇ ਪਰਥਮੀ ਜੇ ਸੋਚੀ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੪ ॥ ਭਗਤਿ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੫ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੬ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੭ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੮ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੯ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੧੦ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੧੧ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੧੨ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੧੩ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੧੪ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੧੫ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੧੬ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੧੭ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੧੮ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੧੯ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੨੦ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੨੧ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੨੨ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੨੩ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੨੪ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੨੫ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੨੬ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੨੭ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੨੮ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੨੯ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੩੦ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੩੧ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੩੨ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੩੩ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੩੪ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੩੫ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੩੬ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੩੭ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੩੮ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੩੯ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੪੦ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੪੧ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੪੨ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੪੩ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੪੪ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੪੫ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੪੬ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੪੭ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੪੮ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੪੯ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੫੦ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੫੧ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੫੨ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੫੩ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੫੪ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੫੫ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੫੬ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੫੭ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੫੮ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੫੯ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੬੦ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੬੧ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੬੨ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੬੩ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੬੪ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੬੫ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੬੬ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੬੭ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੬੮ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੬੯ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੭੦ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੭੧ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੭੨ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੭੩ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੭੪ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੭੫ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੭੬ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੭੭ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੭੮ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੭੯ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੮੦ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੮੧ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੮੨ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੮੩ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੮੪ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੮੫ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੮੬ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੮੭ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੮੮ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੮੯ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੯੦ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੯੧ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੯੨ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੯੩ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੯੪ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੯੫ ॥

ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੯੬ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੯੭ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੯੮ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੯੯ ॥ ਸਭਾ ਕਾਯਾ ॥ ੧੦੦ ॥

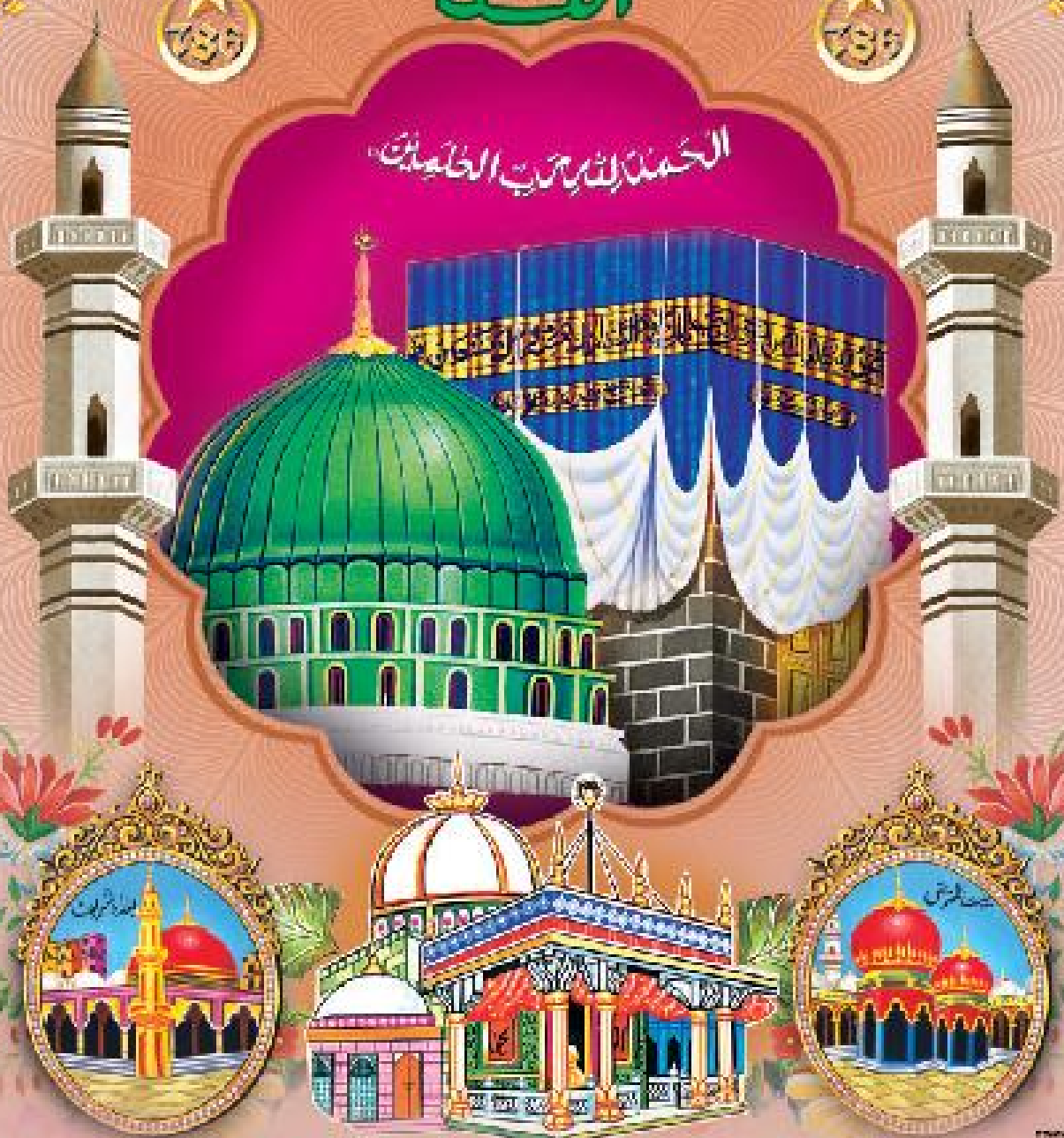
AVAILABLE IN :

823

20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Japuji)

اللَّهُ

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ



اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ الْحَيُّ الْقَيُّومُ لَا تَأْخُذُهُ سِنَةٌ وَلَا نَوْمٌ لِمَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ مَنْ ذَا الَّذِي يَشْفَعُ عِنْدَهُ إِلَّا بِإِذْنِهِ يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ وَلَا يُحِيطُونَ بِشَيْءٍ مِنْ عِلْمِهِ إِلَّا بِمَا شَاءَ وَسِعَ كُرْسِيُّهُ السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضَ وَلَا يَئُودُهُ حِفْظُهُمَا وَهُوَ الْعَلِيُّ الْعَظِيمُ

AVAILABLE IN :

824

20" x 30" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Muslim)